

पुरुषोत्तम वि. (तत्.) 1. पुरुषों में सर्वोत्तम 2. मनुष्यों में सबसे उत्तम पुं. 1. सर्वोत्तम मनुष्य 2. परमात्मा 3. राम 4. कृष्ण।

पुरुसंकर पुं. (तत्.) पौधों का, एक अलग किया हुआ समूह जो इस प्रकार से रखा जाता है कि उसमें अंतरपरागण अधिक हो सके।

पुरुहूत वि. (तत्.) अनेक पुरुषों/व्यक्तियों द्वारा आमंत्रित या आहूत, पुं. इंद्र।

पुरेवा पुं. (देश.) हल की मूठ।

पुरेन/पुरैन स्त्री. (देश.) 1. कमल का पत्ता, कमल-पत्र 2. कमल।

पुरैना स्त्री. (देश.) 1. कमल का पत्ता, कमल-पत्र 2. कमल।

पुरैना स.क्रि. (देश.) पूरा करना अ.क्रि. पूरा होना।

पुरोगत वि. (तत्.) 1. जो सामने हो 2. पुराना।

पुरोगति स्त्री. (तत्.) पुरोगत होने की अवस्था/भाव।

पुरोगम वि. (तद्.) अग्रगामी, नेता, अगुआ।

पुरोगामी वि. (तद्.) पहले जाने वाला, आगे जाने वाला।

पुरोजन्मा वि. (तत्.) जिसने पहले जन्म लिया हो, ज्येष्ठ भ्राता।

पुरोडास पुं. (तत्.) 1. जौ, चावल आदि के आटे की बनी और पका ली गई टिकिया जिसे अग्नि में हवन करते हैं 2. हवि 3. देवताओं को हवि देते समय पढ़ा जाने वाला मंत्र।

पुरोधा पुं. (तत्.) पुरोहित।

पुरोबंध पुं. (तत्.) बंधक/गिरवी रखी हुई वस्तु की जब्ती या उसे छुड़ाने पर प्रतिबंध।

पुरोभाव्य वि. (तत्.) जिसे पहले पूरा करना हो।

पुरोवाक् पुं. (तत्.) प्राक्कथन, भूमिका।

पुरोहित पुं. (तत्.) धार्मिक कर्मकांड, यज्ञ, नामकरण, विवाह आदि कराने वाला व्यक्ति।

पुरोहितानी स्त्री. (तद्.) 1. पुरोहित की पत्नी 2. पुरोहित का काम करने वाली स्त्री।

पुरौ पुं. (देश.) सिंचाई के लिए कुएँ से पानी निकालने का पुरवट, चरसा, मोट।

पुर्जा पुं. (फा.) 1. कागज का छोटा टुकड़ा 2. हाथ से भेजी जाने वाली, छोटे से कागज के टुकड़े पर लिखी सूचना या पत्र 3. कतरन, धज्जी 4. यंत्र या मशीन का कोई भाग मुहा. पूर्जे उड़ाना-टुकड़े-टुकड़े कर देना, बहुत मार पड़ना; पुर्जे उड़ना/होना- टुकड़े-टुकड़े होना; चलता पुर्जा-बहुत चालाक, बहुत होशियार।

पुर्तगाली वि. (पुर्त.अ.) पुर्तगाल देश संबंधी पुं. पुर्तगाल देश में रहने वाला स्त्री. पुर्तगाल की भाषा।

पुर्वला वि. (तद्.) 1. पहले का 2. पूर्वजन्म का।

पुल पुं. (फा.) नदी/खाई/रेल की पटरियों आदि के ऊपर बनाई जाने वाली एक वास्तु रचना जिससे होकर मनुष्य, पशु, वाहन आवागमन आदि करते हैं मुहा. बातों के पुल बाँधना- भरमार करना, झड़ी लगाना; तारीफों के पुल बाँधना- बहुत प्रशंसा करना।

पुलक पुं. (तत्.) हर्ष-उल्लास आदि की अधिकता के कारण रोम खड़े होना, रोमांचित होना।

पुलकना अ.क्रि. (तद्.) पुलकित होना, हर्ष-विभोर होना, रोमांचित होना।

पुलकाई अ.क्रि. (तद्.) पुलकित होने का भाव।

पुलकाकुल वि. (तत्.) पुलकित।

पुलकातिरेक वि. (तत्.) अति रोमांच, अति प्रसन्न।

पुलकालि स्त्री. (तद्.) पुलकावलि, हर्षातिरेक से होने वाला रोमांच।

पुलकावलि स्त्री. (तत्.) हर्ष/उल्लास/आनंद से होने वाला रोमांच।

पुलकित वि. (तत्.) 1. प्रेम/हर्ष/आनंद से जो रोमांचित हुआ हो 2. प्रेम से भावविभोर होना।

पुलपुला वि. (देश.) 1. पिलपिला 2. पोला (खोखला)।

पुलाक पुं. (तत्.) 1. भात या भात का माँड 2. पुलाव।